अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : जैनागम स्तोक वारिधि – प्रथम कक्षा (10 जनवरी, 2016)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	20	18	32	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र. 1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए– 10X1=10

(a) ऐसी गति जिसमें नरक जैसा अधिक दु:ख और देव जैसा अधिक सुख दोनों नहीं होते–

क. नरक गति ख. तिर्यंच गति

ग. मनुष्य गति घ. देवगति ( )

(b) पदार्थ के यथार्थ स्वरूप का चिन्तन करना कौनसा योग है?

क. सत्य मनोयोग ख. सत्य भाषा

ग. व्यवहार मनोयाग घ. असत्य भाषा ( )

(c) ऐसा जीव जो अनादि काल से मिथ्यात्वी था व अनन्त काल तक रहेगा–

क. पडिवाई ख. भवी

ग. अभवी घ. इनमें से कोई नहीं ( )

(d) विकृत श्रद्धा के निराकरण के प्रयत्न को क्या कहते हैं–

क. विनय ख. भूषण

ग. लक्षण घ. शुद्धि ( )

(e) संसार से वैराग्य भाव का होना क्या कहलाता है–

क. निर्वेद ख. संवेग

ग. सम घ. आस्था ( )

(f) यतना के कितने भेद होते हैं–

क. 8 ख. 4

ग. 10 घ. 6 ( )

(g) जो तप आगामी काल में करना है, वह पहले करना क्या कहलाता है?

क. सागारं ख. अणागयं

ग. अणागारं घ. संकेय ( )

(h) 24 दण्डक में से असंयत के कितने दण्डक हैं?

क. 20 ख. 24

ग. 22 घ. 16 ( )

(i) धुन में किसी कार्य को करने की प्रवृति होना, कौनसी संज्ञा के अन्तर्गत आता है?

क. लोक संज्ञा ख. ओघ संज्ञा

ग. आहार संज्ञा घ. भय संज्ञा ( )

(j) आस्रव रहित होना किसका फल है?

क. संयम ख. ज्ञान

ग. दर्शन घ. अक्रिया ( )

प्र. 2 निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर हाँ/ना में दीजिए– 10X1=10

(a) अक्रिया का फल सिद्धि होता है। .....

(b) धैर्य के अभाव से मैथुन संज्ञा होती है? .....

(c) देश उत्तरगुण पच्चक्खाण के 7 भेद होते हैं। .....

(d) देवता द्वारा बाध्य किया जाना बलाभियोग हैं। .....

(e) अन्यतीर्थी के आडम्बर को देखकर उनकी चाह करना कांक्षा नहीं है। .....

(f) चार तीर्थ की सेवा भक्ति करना, भूषण के अन्तर्गत आता है। .....

(g) वर्तमान समय में भरत क्षेत्र में 3 चारित्र नहीं पाये जाते हैं। .....

(h) चौथा अणुव्रत चौथे भंग से स्वीकार किया जाता है। .....

(i) अरूपी अजीव के 30 भेद होते हैं। .....

(j) अनिर्णय की स्थिति को मिश्र दृष्टि कहते हैं। .....

प्र. 3 निम्नलिखित में क्रम से जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए– 10X1=10

(a) गति	(क) पुण्य	.....
(b) वचनयोग	(ख) शुक्ल ध्यान	.....
(c) 8	(ग) पर्याय की अपेक्षा अशाश्वत	.....
(d) वस्त्र देने से	(घ) 4	.....
(e) अणागारं	(च) गमन करना	.....
(f) योगों का निरोध	(छ) द्रव्यकर्म	.....
(g) प्रभावना	(ज) ज्ञान का फल	.....
(h) विज्ञान	(झ) भावना	.....
(i) जीव	(य) आगार रहित तप	.....
(j) 6	(र) 8	.....

प्र. 4 मुझे पहचानो– 10X2=20

(a) मेरा फल क्रिया रहित होना है। .....

(b) मैं तिर्यंचगति से आये हुए जीव में अधिक पाती हूँ। .....

(c) मेरे असंयत व संयतासंयत ये दो भेद होते हैं। .....

(d) मैं चेतना लक्षण से युक्त हूँ। .....

(e) मेरे आने पर जीव दूसरों के दुख को मिटाने की इच्छा करता है। .....

(f) मेरे द्वारा आन्तरिक रूचि का ज्ञान प्राप्त होता है। .....

(g) मेरे 5 अणुव्रत, 3 गुणव्रत व 4 शिक्षाव्रत है। .....

(h) मैं शल्य रहित होकर व्रत ग्रहण करता हूँ। .....

(i) मैं जीवों का समूह हूँ। .....

(j) मुझमें प्रदेश नहीं होते हैं। .....

प्र. 5 एक–दो वाक्यों में दीजिए– (कोई नौ) 9X2=18

(a) चउरिन्द्रिय किसे कहते हैं? उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

.....

.....

.....

(b) मनोयोग के चार भेद लिखिए।

.....

.....

.....

(c) भूषण को परिभाषित कीजिए।

.....

.....

.....

(d) सड़सठ बोल के आधार से 'आस्था' की परिभाषा लिखिए।

.....

.....

.....

(e) 'विकार' किसे कहते हैं? रसनेन्द्रिय के कितने विकार बताये गये हैं?

.....

.....

.....

(f) 'सवणे णाणे' के थोकड़े का आधार स्पष्ट कीजिए कि यह थोकड़ा किस आगम से और कहाँ से लिया गया है?

.....

.....

.....

(g) देवगति में संज्ञा के अल्पबहुत्व को स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

(h) अद्धा तप के 10 भेदों में से प्रथम 6 भेदों के नाम लिखिए

.....

.....

.....

(i) बंध तत्व किसे कहते हैं? भेदों के नाम भी लिखिए।

.....

.....

.....

(j) जातिस्मरण ज्ञान किस ज्ञान का भेद हैं एवं इसकी क्या विशेषता है?

.....

.....

.....

प्र. 6 तीन–चार वाक्यों में उत्तर दीजिये– (कोई आठ) 8X4=32

(a) कार्मण काययोग किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(b) घ्राणेन्द्रिय में शुभ और अशुभ का भेद क्यों नहीं लिया?

.....

.....

.....

.....

.....

(c) पुद्गलास्तिकाल को द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और गुण से स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(d) 'स्थानक' किसे कहते हैं इसके अन्तिम 3 भेदों को लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(e) संज्ञा किसे कहते हैं? भय संज्ञा के कारण लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(f) सर्व उत्तरगुण पच्चक्खाण के 10 भेदों में से परिमाणकडं, णिरवसेसं, संकेय और णियंटियं का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(g) मति ज्ञान व श्रुतज्ञान में कोई 3 अन्तर पाठ्यपुस्तक के आधार पर लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(h) ओघसंज्ञा को परिभाषित कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(i) देश उत्तरगुण पच्चखाण के 7 भेद लिखिए।

.....

.....

.....